



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—पाँच ३—उप-खण्ड (१)
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY,

8W
2/11

सं. 351] नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 3, 1989/आषाढ़ 12, 1911

No. 351] NEW DELHI, MONDAY, JULY 3, 1989/ASADHA 12, 1911

इस भाग में भिन्न पृष्ठ होन्या हो जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के क्षण में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

दिति मंत्रालय

शार्यिक कार्य विभाग

(बैंकिंग प्रभाग)

श्रद्धिमूलक

नई दिल्ली, 28 जून, 1989

सा. का. नि. 669 (अ).—राण औद्योगिक कंपनी (विशेष उपचार) अधिनियम,
1985 (1986 का 1) की धारा 36 द्वारा प्रदत्त ग्रावेश्यों का प्रयोग करने वाले केन्द्रीय
मरकार, एवं द्वारा औद्योगिक एवं वित्तीय पुस्तकियां भोजन (अव्याप्ति एवं अन्य सदस्यों के बीच

और भत्ते तथा सेवा शर्तें) नियम, 1987 में और मंशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ—(1) इन नियमों को औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड (अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों के बेतन और भत्ते तथा सेवा शर्तें) नियम, 1989 कहा जाएगा।

(2) ये जून 1988 के पहले दिन से प्रवृत्त होंगे।

3. औद्योगिक एवं वित्तीय पुनर्निर्माण बोर्ड (अध्यक्ष एवं अन्य सदस्यों के बेतन और भत्ते तथा सेवा शर्तें) नियम, 1987 (इसके परवात उक्त नियम कहा जाएगा) में नियम 3 के उपनियम (2) के परन्तुक के स्थान पर निम्नलिखित परन्तुक प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात्—

“परन्तु अध्यक्ष या सदस्य के रूप में किसी ऐसे व्यक्ति की नियुक्ति की दशा में जो उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के पद से सेवानिवृत्ति हुआ है या केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार की सेवा से या किसी संसद या प्राधिकरण, चाहे जिस नाम में इसे पुकारा जाए, की सेवा से सेवानिवृत्ति हुआ हो और जो पैशन, अभिदायी भविष्य-निधि में नियोजक का अभिदाय या अन्य रूप में सेवानिवृत्ति प्रसुविधाएं प्राप्त कर रहा हो, या प्राप्त करने का हकदार हो गया हो, तो ऐसे अध्यक्ष या सदस्य के बेतन में से उसके द्वारा प्राप्त या प्राप्त की जाने वाली पैशन या अभिदायी भविष्य निधि में नियोजक के प्रभिदाय या किसी अन्य रूप में सेवानिवृत्ति प्रसुविधाएं, यथि कोई हैं, की सकल राशि कम कर दी जाएगी।”

ध्यावप्यः—उपर्याम के समतुल्य पैशन की राशि अध्यक्ष अवधार सदस्य के बेतन में से नहीं काटी जाएगी।

[एफ. सं. 4/46/87-प्राई. एफ. -II]

मनोरं चन्द्र सत्यवादी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 28th June, 1989

G. S. R. 669 (E).—In exercise of the powers conferred by Section 36 of the Sick Industrial Companies (Special Provisions) Act, 1985 (1 of 1896), the

Central Government hereby makes the following rules to amend the Appellate Authority for Industrial and Financial Reconstruction (Salaries and Allowances and Conditions of Service of Chairman and other Members) Rules, 1987, namely :

1. Short title and commencement : (1) These rules may be called the Appellate Authority for Industrial and Financial Reconstruction (Salaries and Allowances and Conditions of Service of Chairman and other Members) Amendment Rules, 1989. (2) They shall come into force with effect from the 1st day of June, 1988.
2. In the Appellate Authority for Industrial and Financial Reconstruction (Salaries and Allowances and Conditions of Service of Chairman and other Members) Rules, 1987 (hereinafter referred to as the said rules), for proviso to sub-rule (2) of Rule 3, the following proviso shall be substituted, namely :

"Provided that in the case of an appointment of a person as a Chairman who has retired as a judge of the Supreme Court or a High Court or in the case of an appointment of a person as a Member who has retired as a judge of a High Court or had been a Member of the Board, or has retired from service under the Central Government or a State Government or from the service of any institution or authority, by whatever name called, and who is in receipt of, or has become entitled to receive, any retirement benefits by way of pension, employer's contribution to the Contributory Provident Fund or other forms of retirement benefits, the pay of such Chairman or Member shall be reduced by the gross amount of pension, or employer's contribution to the Contributory Provident Fund, or any other form of retirement benefits, if any, drawn or to be drawn by him.

Explanation : Amount of pension equivalent of gratuity shall not be deducted from the pay of a Chairman or a Member.

[F. No. 4/8/88-9F. II]

M. C. SATYAWADI, Jt. Secy.

